गीत, कविताएँ और शब्द खेल

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

TESS-India (स्कूल-आधारित समर्थन के ज़रिए अध्यापकों की शिक्षा) का उद्देश्य है विद्यार्थी-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोण के विकास में शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा शिक्षण पद्धतियों में सुधार लाना। TESS-India OERs शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने विद्यार्थियों के साथ प्रयोग के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले केस स्टडी भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए पाठ योजनाएँ तैयार करने तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OERs को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और यह ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)। OERs भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को उन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय ज़रूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: 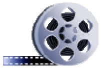 *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार की शिक्षण पद्धतियों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है, लेकिन यदि आप उन्हें हासिल नहीं कर पाते हैं तो वे उनके लिए अनिवार्य नहीं हैं।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट (http://www.tess-india.edu.in/) से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE02v1
Uttar Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई इस बारे में है कि आप किस तरह अंग्रेज़ी भाषा सीखने की प्रक्रिया को अपने विद्यार्थियों के लिए एक मज़ेदार अनुभव बना सकते हैं। भाषा सीखने की क्रिया का तनावपूर्ण होना आवश्यक नहीं है, और यह तनावपूर्ण होना भी नहीं चाहिए, खासतौर पर स्कूल के प्रारंभिक वर्षों में।

विद्यार्थी कविताएँ गाना, गुनगुनाना, दोहराना, ध्वनियाँ निकालना और ऐसे निरर्थक शब्द बनाना पसंद करते हैं, जिनका कोई अर्थ नहीं होता। यह केवल मनोरंजन की बात नहीं है – यह वास्तव में भाषा सीखने की ही क्रिया है। गीत, कविताएँ और शब्द खेल 'पठन–पूर्व' गतिविधियाँ हैं। अंग्रेज़ी की ध्वनियों को सुनने और इनका अभ्यास करने से विद्यार्थी लिखित पृष्ठ पर इन ध्वनियों को पहचानने और पढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी के पठन–पूर्व कौशल के संकेतकों की पहचान करना।
- आपके विद्यार्थियों की अंग्रेज़ी का विकास करने के लिए गीतों और कविताओं का उपयोग करना।
- आपके विद्यार्थियों की अंग्रेज़ी का विकास करने के लिए कविताओं का उपयोग करना।

1 पठन से पूर्व विद्यार्थी क्या जानते हैं?

आप यह सोचने के साथ शुरुआत करें कि पठन से पूर्व विद्यर्थी भाषा के बारे में क्या जानते हैं, और उनकी यह जानकारी गतिविधि में किस तरह काम करती है।

गतिविधि 1: पठन से पूर्व विद्यार्थी क्या जानते हैं?

पहले नीचे संजय के बारे में एक संक्षिप्त वर्णन पढ़ें। इसके बाद आगे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

संजय की उम्र चार वर्ष है। उसे तुकबंदी वाले खेल और तुकबंदी वाले चुट्कुलें पसंद हैं, भले ही वह उनके अर्थ पूरी तरह नहीं समझता है। उदाहरण के लिए, उसे अपने बड़े भाइयों के साथ शब्द खेल खेलना पसंद है:

प्र: ब्रूस ली की फिंगर (finger) को क्या कहते हैं? उ: उंगली (finger)

प्र: उसकी पत्नी–की–बहन को क्या कहते हैं? उ: साली (sister-in-law/अपमानजनक शब्द)

प्र: उसके बगीचे में कौन काम करता है? उ: माली (gardener)

प्र: ब्रूस ली की पसंदीदा सब्जी कौन–सी है? उ: मूली (radish)

प्र: ब्रूस ली का पसंदीदा नाश्ता कौन–सा है? उ: इडली (चावल से बना एक दक्षिण भारतीय व्यंजन)

प्र: ... त्यौहार? उ: दीवाली

प्र: ... संगीत? उ: कव्वाली

प्र: ... फिल्म? उ: कुली

प्र: ... जानवर? उ: बिल्ली (cat)

प्र: ... दिमाग? उ: तुम्हारा! क्योंकि ये है खाली (empty)!

अब इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- आपके अनुसार संजय और उसके भाइयों को यह खेल खेलना क्यों अच्छा लगता होगा?
- इसे खेलने के लिए उनके पास क्या जानकारी है?
- क्या आप इस खेल के पीछे का नियम पहचान सकते हैं?
- क्या आपको इसी तरह का कोई खेल मालूम है? क्या आप खुद कोई ऐसा खेल बना सकते हैं?

संजय का खेल कल्पनाशील और रचनात्मक है, और साथ ही भोला–भाला और मज़ेदार भी है। यह खेल शब्दावली को विकसित करता है। एक साथ मिलकर ये तत्व बच्चों के लिए सीखना यादगार बना देते हैं। इस खेल के पीछे नियम यह है कि प्रत्येक शब्द की अंतिम ध्वनि एक जैसी होनी चाहिए। प्रत्येक शब्द का कुछ न कुछ अर्थ होना चाहिए और वह परिचित होना चाहिए। जो बच्चे तुकबंदी वाले शब्दों को सुन रहे हैं और अनुमान लगा रहे हैं, वे महत्वपूर्ण पठन–पूर्व कौशल सीख रहे हैं। वे भाषा की ध्वनियाँ सुन रहे हैं और आगे चलकर इन ध्वनियों का लिखित शब्दों के साथ मिलान करेंगे।

विचार के लिए रुकें

- अपनी कक्षा के विद्यार्थियों के बारे में सोचें। क्या वे अपनी भाषा में या अंग्रेज़ी में तुकबंदी या छोटी कविताएँ जानते हैं? क्या वे भाषा का कोई खेल खेलते हैं? क्या वे एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द पहचान सकते हैं?

2 कविता गायन

अब इस गतिविधि का प्रयास करें।

गतिविधि 2: कविता गायन

ऐसी कई छोटी कविताएँ हैं, जिन्हें याद रखना सरल है। कविताएँ भाषा की ध्वनियों से विद्यार्थियों का परिचय करवाने का एक अच्छा तरीका हैं, भले ही इनके शब्द शुरू में अपरिचित हों। इससे एक मज़ेदार तरीके से भाषा सीखने का प्रोत्साहन मिलेगा। इस गतिविधि में, आप अपनी कक्षा में पढ़ाने के लिए एक छोटी कविता चुनेंगे।

यहाँ हिन्दी में एक तुकबंदी है। क्या आप एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द पहचान सकते हैं?

अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो,
अस्सी नब्बे पूरे सौ,
सौ में लगा धागा,
चोर निकल के भागा।

अब संसाधन 1 की कविताएँ पढ़ें। आप शायद इनमें से कुछ से परिचित होंगे। कविताओं के बाद आने वाली संक्षिप्त टिप्पणी पढ़ें।

इनमें से कोई कविता चुनें और इसे ऊँची आवाज़ में खुद के लिए पढ़ें। कविता में एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द पहचानें।

कविता को याद करने की कोशिश करें और दूसरे व्यक्ति को कविता सुनाएँ। क्या कोई ऐसी क्रियाएँ हैं, जो आप कविता पर लागू कर सकते हैं? क्या आप कविता को किसी भी गतिविधि, जैसे एक घेरे में नाचना, के साथ जोड़ सकते हैं?

अब कोई तुकबंदी या गीत चुनें – चाहे संसाधन 1 से या कोई भी ऐसा जिससे आप परिचित हों– और इसका कक्षा में उपयोग करें। इसे अपने विद्यार्थियों के साथ दोहराएँ या गाएँ। आप यह कक्षा के बाहर कर सकते हैं और विद्यार्थियों को एक बड़े घेरे में या दो पंक्तियों में रख सकते हैं (चित्र 1)।

चित्र 1 आप यह गतिविधि कक्षा के बाहर कर सकते हैं, जहाँ विद्यार्थी एक बड़े गोले में या दो पंक्तियों में रहेंगे।

क्या आपको कोई ऐसे विद्यार्थी दिखाई दिए, जिन्हें एक जैसी ध्वनियों वाले पैटर्न और एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द पहचानने में कठिनाई हो रही है? इसे नोट कर लें – यह सुनने की समस्या का संकेत हो सकता है।

सभी भाषाओं में छोटे विद्यार्थियों के लिए तुकबंदी होती है। कुछ मज़ेदार होती हैं, कुछ गंभीर होती हैं – और कुछ थोड़ी अशिष्ट हो सकती हैं! इन तुकबंदियों से विद्यार्थियों को भाषा का अनुभव मिलता है। चूंकि इन तुकबंदियों को याद करना और दोहराना सरल होता है, इसलिए ये आपके भाषा

विद्यार्थियों में धारा प्रवाह बोलने की क्षमता और आत्मविश्वास जगाती हैं। ये शब्दों की ध्वनियों का ज्ञान भी कराती हैं – जो कि एक महत्वपूर्ण पठन–पूर्व कौशल है। एक विद्यार्थी जो किसी भी भाषा की तुकबंदियाँ जानता है, उसमें भाषा और पठन के प्रति आत्मविश्वास, रचनात्मकता और कौशल का विकास होता है।

केस स्टडी 1 में, शिक्षक को पता चलता है कि उनके विद्यार्थी तुकबंदियों को पसंद कर रहे हैं। वह उनकी अंग्रेज़ी को विकसित करने के लिए इस रुचि को आगे बढ़ाती हैं।

केस स्टडी 1: सुश्री प्रतिमा अंग्रेज़ी के लिए एक तुकबंदी वाले खेल का उपयोग करती हैं

सुश्री प्रतिमा ने कक्षा दो की पाठ्यपुस्तक के एक पाठ से एक तुकबंदी वाला खेल विकसित किया।

मैंने पशुओं के बारे में पाठ्यपुस्तक की एक कविता पढ़ाई थी। एक दिन दोपहर में, मैंने देखा कि विद्यार्थी बाहर तालियों वाला खेल खेल रहे थे। मैंने सुना कि वे पाठ्यपुस्तक की कविता से भी कुछ शब्द बोल रहे थे। वे अंग्रेज़ी में कुछ ऐसे शब्द भी बोल रहे थे, जो पाठ में नहीं थे। कभी–कभी वे ऐसे शब्द बना रहे थे, जिनका कोई अर्थ नहीं था, लेकिन जो अंग्रेज़ी शब्दों की ध्वनियों से मेल खाते थे। वे ऊपर–नीचे कूद रहे थे, एक लय में तालियाँ बजा रहे थे और गुनगुना रहे थे:

‘Frog!’
‘Log!’
‘Dog!’
‘Pog!’

उनका खेल मेरे पाठ का हिस्सा नहीं था। मैंने इस बारे में सोचा कि किस तरह मैं तुकबंदी वाले शब्दों के साथ खेल खेलने में उनकी रुचि जगा सकती हूँ।

पाठ्यपुस्तक में अगला पाठ था, ‘आप अपने स्कूल बैग में क्या ला सकते हैं?’ (‘What can you carry in your school bag?’) मैंने अपनी कक्षा को बताया कि इस पाठ के आधार पर वे ‘तुकबंदी वाला बाउल’ ('The Bowl that Rhymes') खेल खेलेंगे।

मैंने एक कटोरे में बहुत सारी छोटी–छोटी चीजें रख दीं: एक चॉक का टुकड़ा, एक चम्मच, एक गेंद, एक पेन, एक पिन और एक हैट। इनमें से कुछ वस्तुएँ पाठ्यपुस्तक के पाठ में थीं। अब मैंने विद्यार्थियों को समझाया कि मैं अंग्रेज़ी में एक शब्द बोलूँगी, जिसकी ध्वनि कटोरे में रखी किसी वस्तु से मेल खाती होगी। मैंने ‘moon’, कहा और फिर एक विद्यार्थी से कहा कि वह कटोरे से वह वस्तु निकाले जो ‘moon’ (spoon) की ध्वनी से मेल खाती हो। मैंने सभी वस्तुएँ चुने जाने तक यह जारी रखा।

विद्यार्थियों को इस खेल में बहुत मज़ा आया और वे इसे फिर से खेलना चाहते थे। कभी–कभी उन्होंने हिन्दी शब्दों का उपयोग किया और कभी–कभी उन्होंने पूरी तरह खुद ही शब्द बनाए। मैंने इसे स्वीकार किया, बशर्ते कि उनके बनाए हुए शब्द अंग्रेज़ी शब्दों की ध्वनियों से मिलते–जुलते हों।

बाद में उसी सप्ताह, मैंने कक्षा को चार–चार विद्यार्थियों से छोटे समूहों में बाँट दिया। प्रत्येक छोटे समूह ने वस्तुओं और चित्र कार्डों का उपयोग करके ‘The Bowl that Rhymes’ खेल खेला।

अब मैं शब्दावली को बढ़ाने के लिए अंग्रेज़ी शब्दावली के प्रत्येक अध्याय के लिए एक छोटा तुकबंदी वाला खेल या गतिविधि बनाने की कोशिश करती हूँ। मैं विद्यार्थियों से कहती हूँ कि वे जोड़ियों में तुकबंदियों को गाएँ और साथ ही उन तुकबंदियों के अनुरूप हावभाव भी प्रदर्शित करें।

विद्यार्थियों को एक छोटी टीम में काम करने के लिए व्यवस्थित करने के तरीकों के बारे में ज्यादा जानने के लिए संसाधन 2, ‘जोड़ी में कार्य का उपयोग करना’ देखें।

विचार के लिए रुकें

- विद्यार्थियों को भाषा के साथ जिसमें मज़ा आता है, प्रतिमा ने उस बात पर आधारित गतिविधि करने का प्रयास किया। उन्होंने यह कैसे जाना कि विद्यार्थियों को किसमें मज़ा आता है?
- क्या आपको लगता है कि विद्यार्थियों से हिन्दी शब्दों और निरर्थक शब्दों को स्वीकार करने का उनका विचार अच्छा था, बशर्ते कि उनकी ध्वनियाँ अंग्रेज़ी शब्दों के साथ मिलती–जुलती हों?
- विद्यार्थियों द्वारा छोटे समूहों में ‘The Bowl that Rhymes’ गतिविधि करने के लाभ और संभावित कठिनाइयाँ क्या हैं?
- क्या आप प्रतिमा के लिए इस समूह गतिविधि में विद्यार्थियों का मूल्यांकन करने के अवसर पहचान सकते हैं?

वीडियो: कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले, नाटक

3 तुकबंदियाँ क्या सिखाती हैं

तुकबंदियाँ अंग्रेज़ी भाषा को स्वतंत्र रूप से उपयोग करने का आत्मविश्वास जगाने में मदद करती हैं। वे विद्यार्थियों की शुरुआती शब्दावली बढ़ाने का एक मज़ेदार तरीका हैं और वे सरल ध्वनि और वाक्य पैटर्न प्रस्तुत करती हैं। यहाँ तुकबंदी का एक उदाहरण है:

One, two, three-four-five
Once I caught a fish alive
Six, seven, eight-nine-ten
Then I let it go again.

कौन–सी शब्दावली, वाक्य पैटर्न और ध्वनि पैटर्न एक दूसरे से मेल खाते हैं? अपने विचारों का हमारे विचारों के साथ मिलान करके देखें:

- तुकबंदी वाले शब्द और ध्वनि पैटर्न: 'five' और 'alive', तथा 'ten' और 'again' तुकबंदियाँ हैं। आप इन जोड़ियों के साथ मेल खाने वाले और शब्द सीखने में विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं, उदा. 'dive', 'hive' और 'arrive' (वे इस बात पर भी ध्यान दे सकते हैं कि 'give' की ध्वनि 'five' के साथ मेल नहीं खाती), और 'men', 'hen', 'pen', 'when' व 'then'.
- शब्दावली: एक से दस तक संख्याओं के नाम; 'alive' (मृत का विपरीत); 'again' (फिर एक बार, दोहराना)।
- वाक्य पैटर्न: इनमें शामिल हैं 'let ...' (अनुमति देना, स्वीकृति देना) और 'once ...' (अतीत में हुई किसी घटना के बारे में बात करना)। आप विद्यार्थियों को प्रदर्शित करके बता सकते हैं और उन्हें सिखा सकते हैं कि इस तरह के शब्दों को किस प्रकार अलग–अलग तरीकों से उपयोग किया जाता है। विद्यार्थियों को इस बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित करें कि वे क्या करना चाहते हैं और क्या हुआ है, जिसके लिए उन्हें 'let ...' और 'once ...'. का उपयोग करना चाहिए, उदाहरण के लिए: 'Let it go!'; 'Let us out!'; 'Let me play!'; 'Let him read'; 'Let her speak'; 'Let me come in!'; 'Let the baby sleep!'; 'Once upon a time ...'; 'Once I got lost'; 'Once I ate ten rotis!'; 'Once I saw a crocodile'; 'Once I fell down and got hurt'; 'Once I found a baby bird'.

गतिविधि 3: अंग्रेज़ी में तुकबंदियों का उपयोग करना

यह आपके लिए पाठ की तैयारी से पहले एक योजना बनाने की गतिविधि है।

संसाधन 3 पर जाएँ और अंग्रेजी में कोई छोटी कविता, तुकबंदी या गीत, अपने विद्यार्थियों के साथ प्रयोग करने के लिए चुनें।

आप अपनी अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तक से भी कोई अच्छी तुकबंदी या कविता ढूँढ सकते हैं।

अंग्रेज़ी में बोलने या गाने का अभ्यास करें और इससे जुड़ी क्रियाएँ करने का अभ्यास करें। आपने जो कविता चुनी है, सुनिश्चित करें कि आप उसमें पहचान सकते हैं:

- तुकबंदी वाले शब्द और ध्वनि पैटर्न
- वाक्य पैटर्न
- मुख्य शब्दावली।

अपने विद्यार्थियों के साथ तुकबंदी का उपयोग करने की एक योजना बनाएँ। अपने किसी सहकर्मी या प्रधानाध्यापक के साथ योजना की समीक्षा करें।

क्या आप इस कविता को अंग्रेज़ी अध्याय में शामिल करेंगे, या इसे किसी अन्य समय पर लेंगे?

आप यह कहाँ पढ़ाएँगे – कक्षा के अंदर या बाहर?

क्या आप शब्दों के लिए कोई धुन लगा सकते हैं? क्या आप किन्हीं हरकतों या हावभावों का उपयोग कर सकते हैं?

आपको किन संसाधनों की आवश्यकता होगी? उदाहरण के लिए, क्या आप इसे समझने में विद्यार्थियों की मदद करने के लिए चित्रों या शब्द कार्डों का उपयोग करेंगे?

4 कक्षा में अंग्रेज़ी सिखाने के लिए तुकबंदियों का उपयोग करना

तुकबंदी आपके विद्यार्थियों के लिए उनकी अंग्रेज़ी सुधारने का और आपके लिए अंग्रेज़ी बोलने में अपना आत्मविश्वास बढ़ाने का एक मज़ेदार तरीका है।

गतिविधि 4: अंग्रेज़ी पढ़ाने के लिए तुकबंदियों का उपयोग करना

अगले कुछ अध्यायों में, अंग्रेज़ी में कोई छोटी तुकबंदी या कविता प्रस्तुत करें – आप गतिविधि 3 में आपके द्वारा बनाई गई तुकबंदी का उपयोग कर सकते हैं या कोई अन्य तुकबंदी या कविता चुन सकते हैं। ऐसी तुकबंदी चुनें जिसमें सरल क्रियाओं वाले शब्द हों। सप्ताह के दौरान इस तुकबंदी को

कई बार दोहराएँ। विद्यार्थियों को इसे याद करने के लिए एक से ज्यादा बार सुनना पड़ेगा।

आप स्कूल के दिन की शुरुआत या समापन एक छोटी तुकबंदी के साथ कर सकते हैं। हर सप्ताह एक छोटी तुकबंदी प्रस्तुत करने की कोशिश करें। आप कक्षा के प्रबंध के लिए छोटी तुकबंदी या गीतों का उपयोग कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, विद्यार्थियों को एक गतिविधि से दूसरी गतिविधि पर ले जाते समय, या उनका ध्यान आपकी बात पर केंद्रित करने के लिए।

एक जैसी ध्वनियों वाले शब्दों को याद रखने और उपयोग करने में विद्यार्थियों की मदद करें। भाषा शिक्षण के दौरान, आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों को समान ध्वनियों वाले (Rhyming) शब्द पहचानने में मदद करें। आप एक जैसी ध्वनियों वाले शब्दों को एक साथ बोर्ड पर लिखकर और पढ़कर अधिगम को बेहतर बना सकते हैं।

आप तुकबंदी वाले शब्दों को बुलेटिन बोर्ड पर भी लगा सकते हैं, ताकि विद्यार्थी उन्हें रोज़ पढ़ें। तुकबंदी वाले शब्दों को मोटे अक्षरों में और एक ही रंग में लिखें, ताकि विद्यार्थी एक जैसी ध्वनियों और शब्दों की समान अन्तिम ध्वनि को पहचानने के लिए प्रोत्साहित हों।

जब आप विद्यार्थियों का मूल्यांकन करते हैं, और उनकी उपलब्धि के रिकॉर्ड तैयार करते हैं, तो उनके नाम दर्ज करें, जो एक जैसी ध्वनियों वाले और एक समान ध्वनि पैटर्न वाले शब्दों को पहचान सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण पठन–पूर्व कौशल है। सुनने और ध्वनियाँ पहचानने की क्षमता तथा पढ़ने की क्षमता के बीच संबंध होता है। जो विद्यार्थी वर्ण पैटर्न और शब्दों की ध्वनियों को पहचान लेते हैं वे इस ज्ञान को मुद्रित पृष्ठों पर लागू करना शुरू कर देंगे। इस बारे में अपने निरीक्षण दर्ज करें कि कौन–से विद्यार्थी तुकबंदी वाले शब्दों को आसानी से पहचान लेते हैं और कौन–से विद्यार्थी तुकबंदी वाले शब्दों और पैटर्न का उपयोग करके अपने वाक्य बना लेते हैं। इस बात पर ध्यान दें कि वे अपने मौखिक ज्ञान को मुद्रित शब्दों पर लागू करने की कोशिश कब करते हैं।

बड़े विद्यार्थियों को भी तुकबंदियों और शब्दों के साथ खेलने में मज़ा आता है, और इससे उन्हें अपना अंग्रेज़ी का ज्ञान और कौशल बढ़ाने में मदद मिल सकती है। अगली केस स्टडी में शिक्षक अपने विद्यार्थियों को अंग्रेज़ी में कविताएँ लिखने के लिए प्रोत्साहन दे रहे हैं।

केस स्टडी 2: श्री दिनेश की कक्षा कविताएँ बनाती है

श्री दिनेश की कक्षा तीन के विद्यार्थी अंग्रेज़ी की क्षमता के मामले में अलग अलग स्तरों पर हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से 'Water' विषय पर कविताएँ लिखने को कहा।

मैंने बोर्ड पर कुछ नए शब्द लिखकर शुरुआत की, जिन्हें मैंने 'help words' कहा। जब कक्षा ने 'water' विषय के बारे में बात की, तो सूची में नए शब्द जुड़ते गए। इन शब्दों को या तो विद्यार्थियों की कॉपी में लिखा गया, कक्षा के 'word box' में रखा गया या बुलेटिन बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया।

मैंने विद्यार्थियों से उनकी घरेलू भाषा में उन खेलों के बारे में बात करने के लिए कहा जो वे पानी के साथ खेलते हैं: बारिश के बाद सड़कों के किनारे जमा होने वाले पानी में कूदना; एक–दूसरे पर पानी फेंकना; अपने हाथों में पानी को रोककर रखने की कोशिश करना; छलके हुए पानी को अपनी हथेलियों से थपथपाना; पानी में बुलबुले बनाना। मैंने विद्यार्थियों से इन गतिविधियों के चित्र बनाने के लिए कहा। इसके बाद मैंने उनसे कहा कि वे इन चित्रों का अंग्रेज़ी में वर्णन करें।

विद्यार्थियों ने कुछ वाक्यों के अंश सुनाए, जिनमें उनकी घरेलू भाषा और अंग्रेज़ी का मिश्रण था, और ध्वनियों के लिए कुछ अर्थहीन शब्दों का उपयोग किया गया था, उदाहरण के लिए:

'Chup chup water'
'Water jump'
'Water hands'
'Ravi pipe water'
'Sapna, water bulbule soap.'

वाक्य अंग्रेज़ी में पूर्ण और सटीक नहीं थे, और कभी–कभी विद्यार्थियों ने अर्थहीन शब्दों का उपयोग किया था, लेकिन मैंने इसे स्वीकार किया क्योंकि ये शब्द और ध्वनियाँ उनके लिए अर्थपूर्ण और मज़ेदार थीं। मैंने विद्यार्थियों के प्रयासों को स्वीकार किया और जहाँ आवश्यकता हुई, वहाँ उनके वाक्यों को अंग्रेज़ी के पूर्ण वाक्यों के रूप में बदलने में उनकी मदद की। कभी–कभी विद्यार्थियों ने ध्वनियों और वातावरण को व्यक्त करने के लिए अर्थहीन शब्दों का उपयोग किया और उन्हें इन शब्दों के लिए स्पेलिंग बनानी पड़ी। साथ मिलकर कक्षा ने पानी के बारे में यह कविता तैयार की:

Water says chup chup,
Let's go jump jump.
Let's play with water,
Come my friend, come come,
Without water, I am not happy.

मैंने अन्य विषयों से जुड़ी कविताएँ बनाना जारी रखा। 'transport' विषय पर कक्षा ने रेलगाड़ी की ध्वनियों का उपयोग करके यह कविता तैयार की:

Train at the station,

Koo chuk chuk chuk chuk,
Sapna takes a ride,
Ha ha ha, wah wah wah wah.

कभी–कभी मैं कक्षा की शुरुआत एक छोटे वाक्यांश या शब्द के साथ करता था, जैसे 'little red apple'। विद्यार्थियों से इसी पंक्ति पर आगे बढ़ने को कहता था, पहले एक–दूसरे से बात करके और चित्र बनाकर, तथा उसके बाद पूरी कविता तैयार करने के लिए सुझाव प्रस्तुत करके:

Little red apple,
Hmm! So juicy,
See! See! See!
Little drop falling,
Drip drip drip.

मेरे विद्यार्थियों ने अंग्रेज़ी में बहुत सारी कविताएँ तैयार कीं। मैंने उन कविताओं और चित्रों को एक फोल्डर में संकलित किया और उनकी बाइंडिंग करके कविता की एक कक्षा पुस्तक तैयार कर दी।

विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों को स्कूल में आने और उनकी कविताएँ पढ़ने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने स्कूल की असेंबली में अपनी कविताओं का प्रदर्शन भी किया।

(ये कविताएँ दिल्ली में CIE प्रायोगिक बुनियादी स्कूल, सत्र 2011–12 में कक्षा दो और कक्षा तीन द्वारा तैयार की गई थीं।)

गतिविधि 5: एक कविता तैयार करना

केस स्टडी 2 के श्री दिनेश के उदाहरण का उपयोग करके अपनी कक्षा के लिए एक कविता अभ्यास की योजना बनाएँ।

विद्यार्थियों को कौन–से विषयों या विषय वस्तु में रुचि होगी? कुछ 'help words' के साथ शुरुआत करना याद रखें।

जब आप अपनी योजना कार्यान्वित करते हैं, तो विद्यार्थियों द्वारा किए गए योगदान का उपयोग करना याद रखें। विद्यार्थियों से उनके विचारों के बारे में बात करने और चित्र बनाने के लिए कहें। आप कविता में स्थानीय नामों और जगहों को शामिल कर सकते हैं।

यदि वे कुछ अर्थहीन शब्द चुनते भी हैं, तो उन्हें 'काम चला लेने दें'। ध्यान रखें कि प्रत्येक पंक्ति के अंत में एक जैसी ध्वनियों वाले शब्द होना हमेशा आवश्यक नहीं है। विद्यार्थियों द्वारा बोली गई अंग्रेज़ी में होने वाली त्रुटियों को स्वीकार कर लें, ताकि उनका आत्मविश्वास बढ़े। विद्यार्थी ध्वनियों या शोर को दर्शाने वाले शब्दों की स्पेलिंग बना सकते हैं।

उनकी कविताओं का एक फोल्डर संकलित करें, ताकि वे अपने कार्य को दोबारा पढ़ सकें।

क्या इस बात का अवसर मिल सकता है कि विद्यार्थी अपनी कविताओं को पाठ के अंत में, या प्रर्थना सभा में या अपने अभिभावकों के लिए प्रस्तुत कर सकें? यदि विद्यार्थियों को उनकी कविताओं के लिए श्रोता मिल जाते हैं तो उन्हें अंग्रेजी भाषा बोलने का अभ्यास करने और अंग्रेजी के कौशल को विकसित करने में प्रोत्साहन मिलेगा। सुनिश्चित करें कि आपकी कक्षा के सभी विद्यार्थी असेंबली या प्रदर्शन में भाग लें।

5 सारांश

इस इकाई में आपको तुकबंदी वाले खेलों, गीतों और शब्द खेल का परिचय दिया गया। तुकबंदी और शब्द खेलों का एक गम्भीर उद्देश्य है।

एक समान और अलग अलग ध्वनि पैटर्न और शब्द पैटर्न सुनने और उनमें अंतर कर पाने की क्षमता एक महत्वपूर्ण पठन–पूर्व कौशल है। जो बच्चे तुकबंदी वाली कविताओं और कहानियों से परिचित होते हैं अक्सर वे अभिव्यक्ति के साथ पढ़ पाने में सक्षम होते हैं।

हमें उम्मीद है कि आपने इस बारे में विचार प्राप्त कर लिए हैं कि अंग्रेज़ी में और विद्यार्थियों की घरेलू भाषा में तुकबंदी का उपयोग कैसे किया जाए, ताकि पठन–पूर्व कौशल और भाषा के आनंद के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इस विषय पर अन्य प्रारम्भिक अध्यापक विकास इकाइयाँ (Teacher development Units)

इकाइयाँ हैं:

- *कक्षा की दिनचर्याएँ*
- *पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक प्रयोग*
- *रचनात्मक कलाओं के माध्यम से अंग्रेजी सीखना*
- *अंग्रेज़ी के वर्ण और ध्वनियाँ।*

संसाधन

Resource 1: Singing poetry

By listening to poetry regularly, young students get accustomed to the basic patterns of a language. What is especially useful about poetry in this matter is that it is so easy to store it in one's memory. Small children have to put in no special effort to memorise poetry; just by enjoying it several times and reciting it they make it a part of their permanent collection.

The important question for the teacher is: 'How do I select good poems and where can I find them?' The poems that most primers and textbooks carry are often of a low quality and have little value for the development of language. Similarly, much of the poetry published in Hindi monthly magazines has little worth. Most poems we see in textbooks and magazines are moralistic and dull. They have an artificial sentence structure and vocabulary. They lack the feel of real day-to-day language. This is why they have hardly any value as resources for learning language.

Quite a different kind of poems, are needed for building the foundation of children's reading skills. A selection of such poems in Hindi is given below.

ईलम डील खेलो, आओ खेलो ईलम डील।
गेंद जो उछाली ले के भाग गई चील।
रस्ते में पड़ी एक बहुत बड़ी झील।
जिसके बीचों बीच में थी ऊंची–सी कील।
चील ज्यों ही बैठी उस पर टूट गई कील।
औन्धें मुंह पानी में जाके गिरी चील।
गेंद रही तैरती औ डूब गई चील।
ईलम डील खेलो आओ खेलो ईलम डील।

Nirankar Dev Sewak

बहुत जुकाम हुआ नन्दु को
एक रोज़ वह इतना छींका
इतना छींका इतना छींका
इतना छींका इतना छींका
सब पत्तें गिर गए पेड़ के
धोखा हुआ उन्हें आंधी का

Ram Naresh Tripathi

नारंगी रंग की नारंगी
बेच रहा फलवाला गाकर
और बजाता है सारंगी
चमक रहा है छिलका पीला
सुन्दर फल है बड़ा रसीला
प्यास बूझे मन खुश हो जाता
ढीली तबियत होती चंगी

Sudha Chauhan

कितनी लंबी है सड़क

कितना ऊंचा है पहाड़

कितनी छोटी है चिड़िया

पेड़ है कितना बड़ा

तेज़ कितनी है नदी

पत्थर कितना गोल है

घास है कितनी हरी

फूल कितना लाल है

Krishna Kumar

लड़को इस झाड़ी के भीतर छिपा हुआ है जोड़ा तीतर

फिरते थे यह अभी यहीं पर चारा चुगते हुए जमीं पर

एक तीतरी है इक तितर हमें देख कर भागे भीतर

आओ इनको जरा डरा कर ढेला मार निकालें बाहर

यह देखो वह दोनों भागे खड़े रहो चुप बढ़ो न आगे

अब सुन लो इनकी गिटकारी एक अनोखे ढंग की प्यारी

तीइत्तड़ तीइत्तड़ तीइत्तड़ तीइत्तड़ नाम इसी से इनका तीतर

Sridhar Pathak

लाल टमाटर लाल टमाटर, मैं तो तुमको खाऊंगा।

अभी न खाओ मैं कुछ दिन में और अधिक पक जाऊंगा ॥

लाल टमाटर लाल टमाटर, मुझको भूख लगी भारी ।

भूख लगी है तो तुम खा लो यह गाजर मूली सारी ॥

लाल टमाटर लाल टमाटर, मुझको तो तुम भाते हो ।

तुमको जो अच्छा लगता है उसको तुम क्यों खाते हो ॥

लाल टमाटर लाल टमाटर, अच्छा तुम्हें न खाऊंगा ।

मगर तोड़ कर डाली पर से अपने घर ले जाऊंगा ॥

Nirankar Dev Sewak

एक, दो, तीन, चार

आओ चलें कुतुब मीनार ।

पांच, छः, सात, आठ

देखें चल के राजघाट ।

नौ, दस, ग्यारा, बारा

चलें चांदनी चौक फव्वारा ।

तेरा, चौदा, पन्दा, सोला

कनाट प्लेस में मुर्गा बोला ।

Sarveshwar Dayal Saxena

आओ एक बनाएं चक्कर फिर उस चक्कर में इक चक्कर
फिर उस चक्कर में इक चक्कर फिर उस चक्कर में इक चक्कर
और बनाएं जाएं जब तक ऊब न जाएं थक कर।
फिर सब से छोटे चक्कर में म्याऊं एक बिठाएं,
और बाहरी हर चक्कर में चूहों को दौड़ाएं।
दौड़ –दौड़ कर स्भी थकें हम बैठें मारे मक्कर,
नींद लगे हम सो जाएं वे देखें उझक–उझक कर।
आओ एक बनाएं चक्कर।

Sarveshwar Dayal Saxena

कितनी बड़ी दीखती होंगी मक्खी को चीजें छोटी
सागर–सा प्याला भर जल, पर्वत–सी एक कौर रोटी।
खिला फूल गुलदस्ते जैसा कांटा भरी भाला–सा
तालो का सूराख उसे होगा बैरगिया नाला–सा।
हरे भरे मैदान की तरह होगा एक पीपल का पात
पेड़ों के समूह–सा होगा बचा खुचा थाली का भात।
ओस बूंद दरपन–सी होगी बेल समान
सांस मनुज की आंधी–सी करती होगी उसको हैरान।

Thakur Srinath Singh

गोलू के मामा आए सब देख रहे मुंह बाएं ।
मुंह उनका है गुब्बारा था किसने उन्हें पुकारा,
नारंगी उनको भाए गोलू के मामा आए ।
वे पूरब से हैं आते गोलू से गप्प लड़ाते
हौले से उसे सुला कर फिर पच्छिम को उड़ जाते ।
सच बात अगर मैं बोलूं , तो पोल पुरानी खोलूं,
सूरज का फटा पजामा सिलते गोलू के मामा ।
पर जाने क्या जादू है रहते हैं सब पर छाए,
सब देख रहे मुंह बाए गोलू के मामा आए ।
ये बड़े दिनों में आए झोले में है कुछ लाए
हमको तो पता चले तब जब गोलू हमें खिलाए ।
लो दिखा–दिखा नारंगी बन जाते एक बताशा,
यूं सबको देते झांसा करते ये खूब तमाशा ।
हर पन्द्रह दिन में कैसे आ जाते बिना बुलाए,
मैं देखे रहा मुंह बाए गोलू के मामा आए ।

Ramesh Chandra Shah

Such poems can surely be found in all Indian languages, but the teachers who want to find them will have to search very carefully. They will need to keep their eyes open for playful and natural use of language. Also, purely didactic poems will have to be left out.

One thing that any teacher can easily do is to write out the songs that students sing while playing certain games, such as while skipping, jumping and playing ball. These are traditional rhymes, and it may be difficult to collect them in cities. However, with some effort, we can make our own collections of such songs. The collection can take the form of one or more little books with a song written neatly on each page, along with a suitable picture which can either be made or cut out from a magazine or some other source. It is not always necessary that the picture should accurately portray what the poem says. If the picture simply evokes a mood or scene that is vaguely associated with the poem, this is fine. You can prepare several books by yourself in this manner, each one of about 16 pages, using ordinary white paper if you cannot afford the slightly more expensive drawing paper. If you use drawing paper, the book will last longer and you won't have to prepare the same book each year.

The way to read poetry books is the same as for other books, that is, sitting with a group of students with the book in the middle. After two or three occasions, you can sing the poem aloud without the book and ask students to sing with you. They will be able to sing the poem from memory quite soon if the poem is of good quality. Later, when you read it again from the book, they will anticipate the words given on the pages. Students of six can happily copy out a whole poem on a separate piece of paper or slate, and if they know it by heart by that time, they will have little difficulty recognising individual words after a few days.

(Adapted from Kumar, 1986.)

संसाधन 2: जोड़ी में किये गये कार्य का उपयोग करना

रोज़ाना की स्थितियों में लोग साथ–साथ काम करते हैं, दूसरो से बोलते हैं और उनकी बात सुनते हैं, तथा देखते हैं कि वे क्या करते हैं और कैसे करते हैं। लोग इसी तरह से सीखते हैं। जब हम दूसरों से बात करते हैं, तो हमें नए विचारों और जानकारियों का पता चलता है। कक्षाओं में अगर सब कुछ शिक्षक पर केंद्रित हो, तो अधिकतर विद्यार्थियों को अपना अधिगम प्रदर्शित करने के लिए या प्रश्न पूछने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता। संभव है कुछ विद्यार्थी केवल संक्षिप्त उत्तर दें और कुछ बिल्कुल भी नहीं बोलें। बड़ी कक्षाओं में, स्थिति और भी बदतर है, जहां बहुत ही कम विद्यार्थी कुछ बोलते हैं।

जोड़ी में कार्य का उपयोग क्यों करें

जोड़ी में कार्य विद्यार्थियों के लिए बात करने और ज्यादा से ज्यादा सीखने का एक स्वाभाविक तरीका है। यह सोचने और नए विचारों तथा भाषा को आज़माने का अवसर देता है। यह विद्यार्थियों को नए कौशलों और संकल्पनाओं के माध्यम से काम करने की सुविधा देता है। यह ज्यादा विद्यार्थियों वाली कक्षाओं में भी सफल रहता है।

जोड़ी में कार्य करना सभी आयु वर्गों के लोगों के लिए उपयुक्त है। यह विशेष तौर पर बहुभाषी, बहुग्रेड कक्षाओं के लिए उपयोगी है, क्योंकि इसमें एक दूसरे की सहायता करने के लिए जोडे बनाये जा सकते हैं। यह सर्वश्रेष्ठ तब काम करता है जब आप विशिष्ट कार्यों की योजना बनाते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए नयी प्रक्रियाओं की स्थापना करते हैं कि आपके सभी विद्यार्थी शिक्षण में शामिल हैं और प्रगति कर रहे हैं। एक बार इन नेमी प्रक्रियाओं को स्थापित कर लिए जाने के बाद, आपको पता लगेगा कि विद्यार्थी तुरंत जोड़ी में काम करने के अभ्यस्त हो जाते हैं और इस तरह सीखने में आनंद लेते हैं।

जोड़ी में कार्य करने के लिए काम

आप अधिगम के अपक्षित परिणामों के आधार पर विभिन्न प्रकार के कामों को जोड़ी में कार्य (pair work) करने के लिए उपयोग कर सकते हैं। जोड़ी में कार्य को स्पष्ट और उपयुक्त होना चाहिए ताकि अकेले काम करने के मुकाबले साथ मिलकर काम करने से सीखने में अधिक मदद मिले। अपने विचारों के बारे में बात करके, आपके विद्यार्थी स्वयमेव खुद को और विकसित करने के बारे में विचार करेंगे।

जोड़ियों में कार्य (pair work) में इस प्रकार के काम हो सकते हैं :–

- **'विचार करें–जोड़ी बनाए–साझा करें':** इसमें विद्यार्थी किसी समस्या या मुद्दे के बारे में खुद ही विचार करते हैं और फिर दूसरे विद्यार्थियों के साथ अपने उत्तर साझा करने से पूर्व संभावित उत्तर निकालने के लिए **जोड़ी** में कार्य करते हैं। इसका उपयोग वर्तनी, परिकलनों वाले कामकाज, प्रवर्गों या क्रम में चीजों को रखने, अलग–अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करने, कहानी **के** पात्र का अभिनय करने जैसे कामों के लिए किया जा सकता है।
- **जानकारी साझा करना:** आधी कक्षा को विषय के एक पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है; और शेष आधी कक्षा को विषय के अलग पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है। फिर वे समस्या का हल निकालने के लिए या किसी निर्णय पर पहुंचने के लिए अपनी जानकारी को साझा करने हेतु जोड़ी में कार्य करते हैं।
- **कौशलों (जैसे सुनने का कौशल) का अभ्यास करना:** एक विद्यार्थी कहानी **पढ़ता** है और दूसरा प्रश्न पूछता है; एक विद्यार्थी अंग्रेजी में पैसेज पढ़ता है, जबकि दूसरा इसे लिखने का प्रयास करता है; एक विद्यार्थी किसी तस्वीर या डायाग्राम का वर्णन करता है जबकि दूसरा विद्यार्थी वर्णन के आधार पर इसे बनाने की कोशिश करता है।
- **निर्देष पालन:** एक विद्यार्थी दूसरे विद्यार्थी हेतु निर्देश पढ़ सकता है ताकि दूसरा विद्यार्थी कार्य पूरा कर सके।
- **कहानी सुनाना या भूमिका अदा करना:** विद्यार्थी जो भाषा सीख रहे हैं, उसमें कहानी या संवाद बनाने के लिए जोड़ी में कार्य कर सकते हैं।

सभी को शामिल करते हुए जोड़ियों का प्रबंधन करना

जोड़ियों में कार्य करने का अर्थ सभी को काम में शामिल करना है। चूंकि विद्यार्थी भिन्न होते हैं, इसलिए जोड़ों का प्रबंधन इस तरह से करना चाहिए कि हरेक को जानकारी हो कि उन्हें क्या करना है, वे क्या सीख रहे हैं और उनसे आपकी अपेक्षाएं क्या हैं। अपनी कक्षा में जोड़े में कार्य को कक्षा की दैनिकचर्या का हिस्सा बनाने के लिए, आपको निम्नलिखित काम करने होंगे:

- उन जोड़ों का प्रबंधन करना जिनमें विद्यार्थी काम करते हैं। कभी–कभी विद्यार्थी मैत्री–जोड़ों (friendship pair) में काम करेंगे; कभी–कभी नहीं करेंगे। सुनिश्चित करें कि वे समझ **गए** हैं कि आप उनके सीखने की प्रक्रिया को अधिकतम करने में सहायता करने के लिए जोड़ियां निर्धारित **करेंगे।**
- चुनौती पेश करने के लिए, कभी–कभी आप मिश्रित योग्यता वाले और भिन्न भाषायी विद्यार्थियों के जोड़े बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें; कभी–कभी आप समान स्तर पर काम करने वाले विद्यार्थियों के जोड़े बना सकते हैं।
- रिकॉर्ड रखें ताकि आपको अपने विद्यार्थियों की योग्यताओं का पता रहे और आप उसके अनुसार उनके जोड़े बना सकें।
- आरंभ में, विद्यार्थियों को ऐसे पारिवारिक और सामुदायिक संदर्भों से उदाहरण लेकर जोड़े में काम करने के फायदे बताएं जहाँ लोग आपसी सहयोग से काम करते हैं :
- आरंभिक कार्य को संक्षिप्त और स्पष्ट रखें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि विद्यार्थी–जोड़े ठीक वैसे ही काम कर रहे हैं जैसा आप चाहते हैं, उन पर नजर रखें।
- विद्यार्थियों को उनके जोड़े में उनकी भूमिकाएं या जिम्मेदारियां सौंप दें जैसे कि किसी कहानी से दो पात्र, या साधारण लेबल जैसे '1' और '2', या 'क' और 'ख')। यह कार्य उनके आमने–सामने बैठने के लिए उठने से पहले ही कर लें ताकि वे निर्देश सुन लें।
- सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी एक दूसरे के सामने बैठने के लिए आसानी से मुड़ सकें या घूम सके।

जोड़े में कार्य के दौरान, विद्यार्थियों को बताएं कि उनके पास प्रत्येक काम के लिए कितना समय है और समय–समय पर उनकी जांच करते रहें। उन जोड़ों की प्रशंसा करें जो एक दूसरे की मदद करते हैं और काम पर बने रहते हैं। विद्यार्थी अपने कार्य के बारे में विचार कर पाएं या अपनी योग्यता सिद्ध कर पाएं उससे पूर्व ही कई बार

आपके सामने उनके काम में जल्दी से जल्दी शामिल हो जाने का प्रलोभन हो सकता है फिर भी जोड़ियों को आराम से बैठकर उनके खुद के हल ढूंढने का समय दें। अधिकांश विद्यार्थियों को ऐसा वातावरण अच्छा लगता है जहॉ सभी लोग बातें कर पाएं और काम कर सकें। जब आप कक्षा में देखते और सुनते हुए घूम रहे हों तो नोट बनाएं कि कौन से विद्यार्थी एक दूसरे के साथ सहज हैं, हर उस विद्यार्थी के प्रति सचेत रहें जिसे शामिल नहीं किया गया है, और सामान्य गलतियों, अच्छे विचारों या सारांश के बिंदुओं को नोट करें।

कार्य के समाप्त होने पर आपकी भूमिका विद्यार्थियों द्वारा किये गये काम के बीच की कड़ियां जोड़ने की है। आप कुछ जोड़ों का चुनाव उनका काम दिखाने के लिए कर सकते हैं, या आप उनके लिए इसका सार प्रस्तुत कर सकते हैं। विद्यार्थियों को एक साथ काम करने पर उपलब्धि का एहसास पसंद आता है। आपको हर जोड़े से रिपोर्ट लेने की जरूरत नहीं है – इसमें काफी समय लगेगा – लेकिन आप उन विद्यार्थियों का चयन करें जिनके बारे में आपको अपने अवलोकन से पता है कि वे कुछ ऐसा सकारात्मक योगदान करने में सक्षम हैं जिससे दूसरों को सीखने को मिलेगा। इससे उन विद्यार्थियों को आत्मविश्वास में वृद्धि करने का अवसर मिलेगा जो सामान्यतः योगदान देने में संकोच का अनुभव करते हैं।

यदि आपने विद्यार्थियों को हल करने के लिए समस्या दी है, तो आप कोई नमूना उत्तर भी दे सकते हैं और फिर उनसे जोड़ियों में उत्तर में सुधार करने के संबंध में चर्चा करने के लिए कह सकते हैं। इससे अपने खुद के शिक्षण के बारे में विचार करने और अपनी गलतियों से सीखने में उन्हें सहायता मिलेगी।

यदि आप जोड़ियों में कार्य करने के लिए नए हैं, तो उन बदलावों के संबंध में नोट बनाना महत्वपूर्ण है जिन्हें आप कार्य, समयावधि या जोड़ियों के संयोजनों में करना चाहते हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आप इसी तरह सीखेंगे और इसी तरह अपने अध्यापन में सुधार करेंगे। जोड़ियों में कार्य का सफल आयोजन करना स्पष्ट निर्देशों और उत्तम समय प्रबंधन के साथ–साथ संक्षिप्त सार संक्षेपण से जुड़ा है – यह सब अभ्यास से आता है।

संसाधन 3: कक्षा के गीत

'तितली, तितली (Butterfly, Butterfly)'

यह कर्नाटक के एक ग्रामीण स्कूल से भेजा गया था। शिक्षिका पहले सभी बच्चों से एक एक पंक्ति उनके बाद दोहराने को कहती है। इसके बाद वह विद्यार्थियों को समूहों में रखती है और वे बारी–बारी से हर पंक्ति सुनाते हैं। (This was contributed from a rural school in Karnataka. The teacher has asked children to chant each line after her, at first. Then she puts the children into groups and they take turns to say each line.)

आप हर पंक्ति के लिए किन हावभावों का उपयोग करेंगे? क्या आप इस कविता में उपयोग किए गए अन्य 'क्रिया' शब्दों के बारे में सोच सकते हैं? (What gestures would you use for each line? Can you think of other 'action' words to use in this poem?)

तितली, तितली, (Butterfly, butterfly,)
तुम कहाँ जा रही हो? (Where are you going?)

बाहर बगीचे में (Out in the garden,)
गाना गाते (Singing, singing,)
खूब नाचते! (Dancing, dancing!)

तितली, तितली, (Butterfly, butterfly,)
तुम क्या कर रही हो? (What are you doing?)

रस चूस रही हूँ (Sucking the nectar,)
उड़ते उड़ते (Flying, flying,)
उछलते, कूदते! (Jumping, jumping!)

'हमारा चिड़ियाघर (Our Zoo)'

यह लखनऊ के पास स्थित एक ग्रामीण स्कूल का गीत है, लेकिन आप इसमें अपने गाँव या शहर का नाम रख सकते हैं। शिक्षक और विद्यार्थी इसे 'ओल्ड मैकडोनाल्ड हैड अ फार्म' की धुन पर गाते हैं, लेकिन आप अपनी स्वयं की धुन बना सकते हैं। (This is a song from a village school near Lucknow, but you can put in the name of your own town or village. The teacher and students sing it to the tune of 'Old MacDonald Had a Farm', but you can make up your own tune.)

लखनऊ शहर में है एक जू (Lucknow City has a zoo)
ई–या–ई–या–ओ! (Ee-ai-ee-ai-oh!)

और इस जू में हैं कुछ बाघ भी (And in this zoo are some tigers)
ई–या–ई–या–ओ! (Ee-ai-ee-ai-oh!)

एक शेर यहाँ! (A tiger here!) (शेर की आवाज़, दहाड़ सुनाएँ और पंजे दिखाएँ!)
(make a tiger noise, roar and show claws!))एक शेर वहाँ! (A tiger there!) (दहाड़!)
(roar!))एक शेर यहाँ, एक शेर वहाँ, शेर ही शेर हैं हर जगह! (Here a tiger, there a tiger, Everywhere a tiger!)

लखनऊ शहर में है एक जू (Lucknow City has a zoo)
ई–या–ई–या–ओ! (Ee-ai-ee-ai-oh!)

इसे अलग अलग जानवरों के साथ दोहराएँ, और ध्वनियों व हावभावों का उपयोग करें, उदाहरण के लिएः कुछ बन्दर (खुजलाना और कूदना), कुछ हाथी (सूंड हिलाना), कुछ सिंह, कुछ सांप आदि। (Repeat with different animals, using sounds and gestures, for example: some monkeys (scratch and jump), some elephants (wave trunk), some lions, some snakes, etc.)

'बस के पहिए (The Wheels on the Bus)'

बस के पहिए घूमते हैं (The wheels on the bus go)
गोल गोल (Round and round),
गोल गोल (Round and round),
गोल गोल (Round and round)।
बस के पहिए घूमते हैं (The wheels on the bus go)
गोल गोल, (Round and round)
पूरे शहर भर में (All through the town)।

बस के वाइपर बोलते हैं (The wipers on the bus go)
स्विश, स्विश, स्विश (Swish, swish, swish),
स्विश, स्विश, स्विश (Swish, swish, swish),
स्विश, स्विश, स्विश (Swish, swish, swish)।
बस के वाइपर बोलते हैं (The wipers on the bus go)
स्विश, स्विश, स्विश, (Swish, swish, swish)
पूरे शहर भर में (All through the town)।

बस का हॉर्न बजता है (The horn on the bus goes)
बीप, बीप, बीप (Beep, beep, beep),
बीप, बीप, बीप (Beep, beep, beep),
बीप, बीप, बीप (Beep, beep, beep)।
बस का हॉर्न बजता है (The horn on the bus goes)
बीप, बीप, बीप (Beep, beep, beep),
पूरे शहर भर में (All through the town)।

बस के लाइट होते हैं (The lights on the bus go)
चालू और बंद (On and off),
चालू और बंद (On and off),
चालू और बंद (On and off)।
बस के लाइट होते हैं (The lights on the bus go)
चालू और बंद (On and off),
पूरे शहर भर में (All through the town)।

बस का ड्राइवर कहता है (The driver on the bus says),
'बैठो, बैठो, बैठो (Sit, sit, sit),
बैठो, बैठो, बैठो (Sit, sit, sit),
बैठो, बैठो, बैठो (Sit, sit, sit)।'
बस का ड्राइवर कहता है,(The driver on the bus says)

'बैठो, बैठो, बैठो, (Sit, sit, sit)
पूरे शहर भर में (All through the town)।

बस में बैठे लोग ... (The people on the bus ...)
(अपने स्वयं के शब्द बनाएँ।)(Make up your own words.))

बस का कंडक्टर कहता है ... (The conductor on the bus ...)
(अपने स्वयं के शब्द बनाएँ।)(Make up your own words.))

बस के पहिए घूमते हैं (The wheels on the bus go)
गोल और गोल, (Round and round)
पूरे शहर भर में, (All through the town)
पूरे शहर भर में, (All through the town)
पूरे शहर भर में, (All through the town)।

'एक्शन गीत (Action Song)'

थोड़ा उचको, थोड़ा कूदो (Hop a little, jump a little,)
एक, दो तीन (One, two, three);
थोड़ा भागो, थोड़ा उछलो (Run a little, skip a little),
अपना घुटना छू लो (Tap one knee);
थोड़ा झुको, थोड़ा खींचो (Bend a little, stretch a little)
अपना सिर हिलाओ (Nod your head)
थोड़ी जम्हाई, थोड़ा सो लो (Yawn a little, sleep a little)
अपने बिस्तर पर! (In your bed!)

'हलचल (Wiggles)'

मैंने हिलाई अपनी उंगलियाँ (I wiggle my fingers),
मैंने हिलाए अपने पंजे(I wiggle my toes),
मैंने हिलाए अपने कंधे(I wiggle my shoulders),
मैंने हिलाई अपनी नाक (I wiggle my nose)।
अब कोई हलचल (Now no more wiggles)
मुझमें नहीं है (Are left in me)
और अब मैं हूँ (And I will be)
बिना हिले (As still as can be)।

'अपनी उंगलियाँ नचाओ (Dance Your Fingers)'

(विद्यार्थियों से आपकी हरकतों की नकल करने को कहें – हवा में और शरीर पर उँगलियों को नचाना।) (Have students mimic your actions – dancing fingers in the air and on the body.)

अपनी उँगलियों को ऊपर नचाओ (Dance your fingers up),
अपनी उँगलियों को नीचे नचाओ (Dance your fingers down),
अपनी उँगलियों को अगल बगल नचाओ (Dance your fingers to the side),
अपनी उँगलियों को हर तरफ नचाओ (Dance them all around)।
उनको अपने कंधों पर नचाओ (Dance them on your shoulders),
उनको अपने सिर पर नचाओ (Dance them on your head),
उनको अपने पेट पर नचाओ (Dance them on your tummy),
और उन्हें रख दो बिस्तर पर (And put them all to bed)।

(सिर को चेहरे के बगल में हाथों पर टिकाएँ।) (Rest head on hands together at side of face.))

अतिरिक्त संसाधन

- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ / संदर्भग्रंथ सूची

Amritavalli, R. (2007) *English in Deprived Circumstances: Maximising Learner Autonomy*. Department of Linguistics, The English and Foreign Languages University, University Publishing Online: Foundation Books.

Cummins, J. (undated) 'BICS and CALP' (online), Jim Cummins' Second Language Learning and Literacy Development Web. Available from: http://iteachilearn.org/cummins/bicscalp.html (accessed 2 July 2014).

Cummins, J. (2000) *Language, Power, and Pedagogy: Bilingual Children in the Crossfire*. Bristol: Multilingual Matters.

Gibbons, P. (2002) *Scaffolding Language, Scaffolding Learning: Teaching Second Language Learners in the Mainstream Classroom*. Portsmouth: Heinemann.

Krashen, S. (1981) *Second Language Acquisition and Second Language Learning*. Oxford: Pergamon Press.

Krashen, S. (1982) *Principles and Practice in Second Language Acquisition*. Oxford: Pergamon Press.

Kumar, K. (1986) *The Child's Language and the Teacher: A Handbook*. United Nations Children's Fund.

Mohan, B. (1986) *Language and Content*. Reading, MA: Addison-Wesley.

Mohan, B., Leung, C. and Davison, C. (eds) (2001) *English as a Second Language in the Mainstream: Teaching, Learning and Identity*. New York, NY: Longman.

Wells, G. (2003) 'Children talk their way into literacy', published as 'Los niños se alfabetizan hablando' in García, J.R. (ed.) *Enseñar a escribir sin prisas… pero con sentido*. Sevilla, Spain: Publicaciones MCEP. Available from: http://people.ucsc.edu/~gwells/Files/Papers_Folder/Talk-Literacy.pdf (accessed 8 July 2014).

Wells, G. (2009) *The Meaning Makers: Learning to Talk and Talking to Learn*, 2nd edn. Bristol: Multilingual Matters.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभारः

संसाधन 1: कुमार के. से निष्कर्षित (1986) *बच्चे की भाषा और शिक्षकः एक हैंडबुक*। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष। (Resource 1: extract from Kumar, K. (1986) *The Child's Language and the Teacher: A Handbook*)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।